RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
सेवक बैच
ROJGAR WITH ANKIT
HISTORY
चोल राजवंश
LIVE 18-03-2024 09:00 AM

चोल राजवंश : 9वीं–12वीं शताब्दी

⇒ मेगास्थनीज की इंडिका तथा अशोक के अभिलेखों में चोल राजवंश के विषय में जानकारी मिलती है।

⇒ 9वीं से 12वीं शताब्दी तक चोलों ने तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश तथा कर्नाटक में शासन किया था।

प्रमुख शासक :

⇒ विजयालय → (850–871) → (850–875)

⇒ संस्थापक :- विजयालय

उपाधि :- नरकेसरी, तंजैकोंड़

राजधानी :- तंजौर

⇒ विजयालय ने तंजौर पर अपना अधिकार करके तंजौर में दुर्गादेवी (निशुम्भ देवी) मंदिर का निर्माण करवाया।

② आदित्य प्रथम :- (871-907 AD)

उपाधि :- कोदण्डराम

③ पराकान्तक प्रथम :- (907-953 AD)

उपाधि :- मदुरैकोण्ड

④ गंडरादित्य :- (953 – 956 AD)

957 AD

⑤ परांतक द्वितीय :- 956 AD – 973 AD

⇒ परांतक द्वितीय को सुन्दर चोल के नाम से भी जाना जाता है।

⑥ उत्तमचोल :- (973 AD – 985 AD)

⇒ चोलों में सर्वप्रथम स्वर्ण सिक्के जारी किये।

④ राजराज प्रथम :- (985 AD – 1014 AD)

⇒ राजराज प्रथम के राज्यरोहण के साथ ही चोल शक्ति का उत्कर्ष प्रारम्भ हुआ, राजराज प्रथम परांतक द्वितीय का पुत्र था।

⇒ राजराज प्रथम का प्रा॰ नाम :- अरुमोलिवर्मन

⇒ राजराज प्रथम ने सर्वप्रथम चोलो में स्थायी सेना एवं जलसेना का गठन किया।

⇒ तंजौर अभिलेख में राजराज प्रथम की युद्ध अभियानो का क्रमिक वर्णन किया गया है

⇒ राजराज प्रथम ने श्रीलंका पर आक्रमण करके वहाँ के शासक महेन्द्र प्रथम को पराजित किया तथा श्रीलंका के उत्तरी भाग को चोल साम्राज्य का एक प्रांत बना दिया।

⇒ राजराज प्रथम ने अपनी विजयो का समापन मालदीव विजय के उपरान्त किया।

⇒ राजराज प्रथम ने अपना दूतमण्डल चीन भेजा था।

(Imp)

⇒ तंजौर में वृहदेश्वर मंदिर (राजराजेश्वर मंदिर) का निर्माण का राजराज प्रथम ने करवाया था

⑧ राजेन्द्र प्रथम :- (1014AD–1044AD)

⇒ राजेन्द्र प्रथम ने सम्पूर्ण श्रीलंका को विजित किया।

⇒ स्मिथ ने राजेन्द्र प्रथम को 'दक्षिण भारत का नेपोलियन' कहा था।

⇒ राजेन्द्र प्रथम के समय नौसेना का सर्वाधिक विकास हुआ।

⇒ राजेन्द्र प्रथम ने लंका नरेश महिन्द्र पंचम को परास्त करके बंदी बना लिया तथा सम्पूर्ण श्रीलंका पर अधिकार स्थापित किया।

(1) राजाधिराज प्रथम :